विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ *दिनांक - 16-11-2020*

विषय -हिन्दी *विषय शिक्षक -पंकज कुमार*

एन, सी, ई, आरटी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पुनरूक्ति की अशुद्धियों के बारे में अध्ययन करेंगे।

पुनरुक्ति की अशुधियाँ -

वाक्य में ऐसी अशुधियाँ भी मिलती हैं जब एक ही बात दो बार कही जाती है; जैसे–यहाँ देखने योग्य अनेक दर्शनीय स्थल हैं। (अशुद्ध)। यहाँ अनेक दर्शनीय स्थल हैं - (शुद्ध)

संज्ञा-सर्वनाम संबंधी अशुधियाँ।

1. मैं आपकी पुस्तक नहीं लीं।।
   मैंने आपकी पुस्तक नहीं ली।
2. मेरे को घूमना बहुत अच्छा लगता है।
   मुझे घूमना बहुत अच्छा लगता है।
3. विद्यालय रविवार के दिन बंद होते हैं।
   विद्यालय रविवार को बंद होते हैं।
4. तैने उसको क्या दिया?
   तुमने उसे क्या दिया?
5. कार्तिक मेरा बालक है।
   कार्तिक मेरा पुत्र है।

6. रावण बहुत ज्ञानी व्यक्ति था।
   रावण बहुत ज्ञानी थी।

वचन संबंधी अशुधियाँ

1. हमारी कक्षा में चालीस छात्र है।
   हमारी कक्षा में चालीस छात्र हैं।
2. पेड़ों पर पक्षी बैठा है।
   पेड़ पर पक्षी बैठे हैं।
3. हमें गरीब की मदद करनी चाहिए।
   हमें गरीबों की मदद करनी चाहिए।
4. मुगल गार्डन में अनेक गुलाब खिला है।
   मुगल गार्डन में अनेक गुलाब खिले हैं।

क्रिया का प्रयोग

1. मैंने ईश्वर का दर्शन किया।
   मैंने ईश्वर के दर्शन किए।
2. वह नौकरी पा गया।
   उसे नौकरी मिल गई।
3. आप यह कंबल पहन लें।
   आप यह कंबल ओढ़ लें।
4. उसका प्राण निकल रहा है।
   उसके प्राण निकल रहे हैं।
5. जूता निकाल दो।
   जूता उतार दो।

लिखकर याद करें।